



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 229]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 31, 1979/ज्येष्ठ 10, 1901

No. 229]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 31, 1979/JYAISTHA 10, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

का. अ. 326 (अ)/15/आई. डी. आर. ए/79.—यतः केरल राज्य में मैसर्स गिओथानोला बिन्नी लिमिटेड, कोचीन नामक औद्योगिक उपक्रम जल विद्युत परियोजनाओं के लिए पैनस्टाक पाइपों, चर्बक कारखानों के लिए बड़ी प्रेसर वेसलों, कागज निर्माण उद्योगों के लिए मशीनों और मस्य उद्योग के लिए मस्य नौकाओं और छोटे अलथानों के उत्पादन में लगा हुआ है,

और, यतः, केन्द्रीय सरकार का विचार है कि उक्त उपक्रम के उत्पादन में पर्याप्त गिरावट आई है और आने की सम्भावना है और उक्त उपक्रम का प्रबंध इस ढंग से चलाया जा रहा है जो सार्वजनिक हित के लिए अति हानिकारक है,

अब, अतः, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 85) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मामले की परिस्थितियों की पूर्ण रूप

से जांच करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है :

अध्यक्ष

- (1) श्री ए. के. राय चौधरी, उप-सलाहकार (वित्त), सरकारी उद्यम कार्यालय, नई दिल्ली।

सदस्य

- (2) श्री एम. पी. प्रेमराज, प्रबंधक (बायस्टर शास्त्र), भारत हवी इलीक्ट्रिकल्स लिमिटेड, तिरुची।
- (3) श्री वी. शंकाद्री, विकास अधिकारी, तकनीकी विकास का महानिदेशालय, नई दिल्ली।

2. उपर्युक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 21 दिनों की अवधि के अन्दर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

पी. सी. नायक, संयुक्त सचिव

[का. सं. 2(30)/77-सी.यू.सी.]

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**(Department of Industrial Development)**

**ORDER**

New Delhi, the 31st May, 1979

**S.O. 326(E)/15/IDRA/79.**—Whereas the industrial undertaking known as Messrs. Giovanola Binny Limited, Cochin in the State of Kerala is engaged in the production of penstock pipes for hydro-electric projects, huge pressure vessels for fertilizer factories, machineries for paper manufacturing industries and trawlers and small ships for fishing industry ;

And whereas, the Central Government is of the opinion that there has been and is likely to be a substantial fall in the volume of production of the said undertaking and the said undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the public interest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby

appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of—

**Chairman**

- (1) Shri A. K. Roy Chowdhury, Deputy Adviser (Finance), Bureau of Public Enterprises, New Delhi.

**Members**

- (2) Shri M. P. Premraj, Manager (Boiler Shops), Bharat Heavy Electricals Ltd., Trichy.  
(3) Shri V. Seshadri, Development Officer, Directorate General of Technical Development, New Delhi.

2. The above body shall submit its report within a period of 21 days from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 2(30)/77-CUC.]

P. C. NAYAK, Jt. Secy.

നിയമം.

വിഷയം : (അവലംബം)

ഈ ഉത്തരവിന് വിധേയമാക്കിയതിനെക്കുറിച്ച്.

11.

ഈ വിഷയത്തിന്മേൽ പരിശോധന നടത്തപ്പെടും.

1. പരിശോധനാ സമിതിയിൽ അംഗീകൃതമായിരിക്കും.

പരിശോധനാ സമിതിയിൽ അംഗീകൃതമായിരിക്കും.

[ഫി.പ്ര.സി.ടി.ടി. (08) 5. 3. 79]